



# भाभी ने जाँब दिलायी लंड लिया

“मैं अपनी जाँब से ज्यादा खुश नहीं था. पड़ोस में एक भैया अच्छी पोस्ट पर थे. उनकी पत्नी ने मेरी जाँब लगवा दी. मेरी जाँब तो लग गई मगर उसके बदले में मुझे भी कुछ देना पड़ा. ...”

Story By: (loveroy7)

Posted: Thursday, April 11th, 2019

Categories: [हिंदी सेक्स स्टोरी](#)

Online version: [भाभी ने जाँब दिलायी लंड लिया](#)

# भाभी ने जॉब दिलायी लंड लिया

अंतर्वासना के सभी दोस्तों, भाभियों, आंटियों और लड़कियों को नमस्ते के साथ-साथ उनकी चूत को भी ढेर सारा प्यार और चूत में उंगली!

मैं अन्तर्वासना का रेगुलर पाठक हूँ. यह मेरे साथ बीती हुई एक सच्ची घटना है. मैं आशा करता हूँ कि आपको मेरी यह आपबीती पसंद आयेगी. दुनिया की नजर में तो मैं सीधा-सादा लड़का हूँ मगर चूतों का दीवाना हूँ. अब मेरी भाषा से आप भी समझ गये होंगे कि मैं कितना सीधा हूँ.

आज जो कहानी मैं आपको बताने जा रहा हूँ वह मेरी पड़ोस की भाभी के साथ हुई एक घटना है.

कहानी शुरू करने से पहले मैं आपको अपना परिचय दे देता हूँ. मेरा नाम राज है. नाम तो सुना ही होगा आप लोगों ने? अगर नहीं भी सुना है तो भी कोई बात नहीं. अब तो आपको इस नाम से प्यार हो जायेगा. गर्म चूतों को तो जरूर हो जायेगा.

मैं गुजरात के कच्छ का रहने वाला हूँ. मैं पेशे से एक कम्प्यूटर इंजीनियर हूँ और एक कंपनी में जॉब करता हूँ. दिखने में भी अच्छा हूँ. मैं अपने मुंह से अपनी तारीफ बिल्कुल नहीं करना चाहता मगर जो भी सच है वही बता रहा हूँ. मेरा शरीर भी औसत है. मेरे लंड का साइज ज्यादा बड़ा तो नहीं है लेकिन इतना तो है कि एक बार लेने के बाद कोई भी चूत उसको दोबारा लेने की ख्वाहिश जरूर करेगी.

मेरे पड़ोस में एक परिवार रहता है. उस परिवार में एक पति-पत्नी और उनका एक बेटा है. पति का नाम विशाल है और वह एक कंपनी में मैनेजर है.

मैं जहाँ पर जॉब कर रहा था वहाँ मुझे ज्यादा मजा नहीं आ रहा था काम करने में, इसलिए मैंने विशाल भाई से बात करने की सोची. वह कंपनी में मैनेजर तो है ही और मेरा अंदाजा

था कि वह मुझे किसी अच्छी जॉब पर लगवा देगा.

उनके और हमारे परिवार के बीच में काफी अच्छा रिश्ता है. उसके घर पर आना-जाना होता रहता था.

एक दिन जब मैं उनके घर पर गया तो दरवाजा भाभी जी ने खोला. उनका नाम शगुन था. भाभी जी एकदम माल लग रही थी. मेरी नजर तो उन पर जाकर रुक सी गई थी. मैंने फटाक से उनका फीगर स्कैन कर लिया. 34 के चूचे, 30 की कमर और 38 की गांड. ऊपर से उनकी खूबसूरती! ओए होये, बस क्या कहने! चूचे तो जैसे मोटे आम थे जिनको चूस कर उनका पूरा रस निचोड़ने का मन कर रहा था.

दरवाजा खोल कर भाभी ने मुझे अंदर आने के लिए कहा. मैं इससे पहले विशाल के घर नहीं गया था मगर मेरे घर वाले जाते थे. भाभी ने कह दिया कि क्या बात है आज तो तुम्हारे दर्शन हो रहे हैं. इससे पहले तो तुम्हें रास्ता भूलते हुए नहीं देखा मैंने.

भाभी की बात सुनकर मैं थोड़ा शरमा गया.

मैंने पूछा- भाभी, विशाल भाई से बात करनी थी.

भाभी बोली- क्यों, मुझसे बात नहीं कर सकते क्या ?

भाभी की बात सुनकर मेरे अंदर का कामदेव जागने लगा था. एक तो भाभी थी ही इतनी सेक्सी और ऊपर से ऐसी डबल मीनिंग बातों के तीर छोड़ रही थी कि वार सीधा लंड पर जाकर लग रहा था. बार-बार के वार से मेरा लौड़ा अंदर ही अंदर खड़ा होने लगा था. मगर अभी कंट्रोल करना जरूरी था क्योंकि मैं तो सीधा लड़का हूँ न!

फिर थोड़ी सी हिम्मत करके मैंने भी बात को हवा दी, मैंने कहा- नहीं भाभी, ऐसी क्या बात कह दी आपने, आप जैसी खूबसूरत भाभी से भला कौन बात नहीं करना चाहेगा ? लेकिन इस वक्त मुझे विशाल भाई से कुछ काम के सिलसिले में बात करनी थी इसलिए पूछ रहा था.

भाभी बोली- वे तो बाहर गये हुए हैं और तीन दिन के बाद ही आयेंगे. अगर तुम अपना नम्बर देकर जाना चाहते हो तो दे जाओ. जैसे ही विशाल का फोन आयेगा मैं आपके बारे में बता दूंगी. वो फोन पर ही आपसे बात कर लेंगे.

नम्बर देकर मैं उठ कर जाने लगा तो भाभी ने पूछ लिया- तुम जॉब कर रहे हो न ? मैंने कहा- हाँ, लेकिन अब बदलने के लिए सोच रहा था इसलिए विशाल भाई से बात करना चाहता था.

उसके बाद मैं उनके घर से चला गया. चार दिन के बाद मेरे पास एक नम्बर से फोन आया. मैंने बात की तो उन्होंने बताया कि मैं तुम्हारी शगुन भाभी बोल रही हूँ. मैंने कहा- सारी भाभी, आपका नम्बर सेव नहीं था इसलिए मैंने आपको पहचाना नहीं. भाभी बोली- कोई बात नहीं. विशाल घर आ गये हैं और मैंने तुम्हारे लिये बात की थी कि तुम जॉब बदलना चाहते हो. तुम आज शाम को हमारे घर पर आ कर विशाल से बात कर लेना.

मैं खुश हो गया और फोन रखने के बाद शाम की तैयारी करने लगा. शाम को जब उनके घर पर गया तो भाभी मुझे देख कर स्माइल दे रही थी. विशाल भाई से बात करने के बाद उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी में एक कंप्यूटर इंजीनियर की जगह खाली है. विशाल भाई ने मुझे उनकी कंपनी में आने के लिए कह दिया और बताया कि कल अपने सारे कागजात लेकर कंपनी में आ जाना. सारी बातें वहीं पर कर लेंगे.

दो दिन के अंदर मेरी जॉब लग गई और उसके बाद मेरा उनके घर पर आना-जाना बढ़ गया. जब भी मैं उनके घर पर जाता था तो भाभी को थैंक्यू बोलता था क्योंकि उनकी वजह से ही मेरी जॉब लगी थी.

उसके बाद कई बार जब विशाल भाई घर पर नहीं होते थे तो मैं भाभी को सामान वगैरह के

लिए मार्केट भी लेकर जाने लगा. इसकी वजह ये थी कि उनका बेटा हॉस्टल में पढ़ता था. इसलिए भाभी अकेले यह सब नहीं कर पाती थी.

एक बार की बात है जब विशाल को कम्पनी के काम से भारत से बाहर जाना पड़ा. विशाल ने मुझे ऑफिस में बुलाया और बताया कि वह पंद्रह दिन के बाद आयेंगे. उन्होंने मुझे घर का ध्यान रखने के लिए कह दिया.

उस रात मुझे ही विशाल को ड्रॉप करने के लिए जाना था. मैं शाम को तैयार होकर विशाल के घर पहुंच गया.

भाभी ने दरवाजा खोला और मैंने विशाल भाई को आवाज लगाई. अंदर से विशाल भाई आये और जल्दी से चलने के लिए कहने लगे. उसके बाद भाभी भी पीछे से दौड़ती हुई आई और वह भी हमारे साथ चलने के लिए कहने लगी. विशाल ने उनको आने के लिए कह दिया.

हम गाड़ी लेकर निकल गये और मैंने विशाल को एयरपोर्ट पर छोड़ दिया. विदा करते हुए विशाल भाभी का ध्यान रखने के लिए कहा. उन्होंने कहा कि अगर ऑफिस से छुट्टी लेनी पड़े तो भी ले लेना. मैं सब देख लूंगा आने के बाद.

मैंने कहा- ठीक है सर.

मैं विशाल को भैया और सर दोनों ही कह कर बुला लेता था. उसके बाद मैं और भाभी वापस आने लगे.

रास्ते में भाभी ने पूछा- तुम्हारी कोई गर्लफ्रेंड है क्या ?

मैंने कहा- नहीं भाभी. मैं तो घर से ऑफिस और ऑफिस से घर. इतना टाइम ही नहीं मिल पाता.

भाभी बोली- झूठ मत बोलो.

मैंने कहा- नहीं भाभी. मैं आपकी कसम खाकर कहता हूँ कि मेरी लाइफ में कोई लड़की नहीं

हैं.

इन सब बातों में ही कब घर आ गया हमें पता नहीं चला. मैं गाड़ी को पार्क करके भाभी को चाबी देकर जाने लगा तो भाभी ने मुझे उनके साथ कुछ वक्त रुकने के लिए बोल दिया.

भाभी बोली- इतनी जल्दी क्या है. मुझे घर में अकेले रहना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता.

मैंने कहा- ठीक है.

उसके बाद हम दोनों अंदर चले गये, बैठकर बातें करने लगे. मैंने पूछा- भाभी, जब मैं विशाल भाई को छोड़ने के लिए आपके घर पर आया था तो आपने बहुत टाइम लगा दिया था दरवाजा खोलने में.

भाभी बोली- वो मैं ... कुछ काम कर रही थी.

भाभी ने बात को टालने की कोशिश की और काम का बहाना बनाने लगी. मगर मैं भाभी के चेहरे पर सब देख रहा था.

मैंने कहा- आप झूठ बोल रहे हो भाभी. मुझसे क्यों शरमा रहे हो ? अभी तो हम दोनों के अलावा यहाँ पर कोई भी नहीं है.

भाभी बोली- तो फिर वादा कर कि जो मैं बताऊंगी तुम वह बात किसी को नहीं बताओगे.

मैंने कहा- हाँ, वादा करता हूँ. मैं किसी से कुछ नहीं कहूँगा.

भाभी- ठीक है, मगर उससे पहले कुछ और काम है.

मैंने कहा- जो भी हो बताओ, मैं तो आपका हर काम करने के लिए तैयार हूँ.

भाभी बोली- तेरे भैया पंद्रह दिन के लिए बाहर जा रहे थे इसलिए जाते टाइम हम दोनों एक दूसरे के साथ सेक्स का मजा ले रहे थे.

मैंने कहा- ओह सॉरी, मेरी वजह से आपका काम बिगड़ गया.

भाभी बोली- कोई बात नहीं. अब तो मुझे इसकी आदत हो गई है. वैसे भी तेरे भैया हर

टाइम बाहर ही रहते हैं.

मैंने कहा- कोई बात नहीं, मैं हूँ ना आपका ख्याल रखने के लिए.

भाभी बोली- तो फिर ये बताओ कि जो मैंने तुम्हारी जॉब लगवाई है उसके बदले में तुम मुझे क्या गिफ्ट दोगे ?

मैंने कहा- जो भी आप बोलो.

भाभी- ठीक है. तुम कल ऑफिस मत जाना. मैं विशाल से बोल कर तुम्हें ऑफिस से छुट्टी दिलवा दूंगी. तुम घर से तैयार होकर आ जाना मगर सीधे हमारे घर पर ही आना.

मैंने कहा- ठीक है.

उसके बाद मैं अपने घर चला गया. रात को भाभी के चूचों के बारे में सोचने लगा. मुझे पता था कि भाभी मेरे साथ सेक्स करने के लिए कह रही थी. यही सोचकर मेरा लंड तना हुआ था. मैंने भाभी के नाम की मुट्ठ मारनी शुरू कर दी.

मैंने जोर-जोर से लंड को हिलाना शुरू कर दिया और उनकी चूत को चोदने के बारे में सोच कर मुट्ठ मारने का मजा लेने लगा. पांच मिनट में ही मेरे लंड ने मेरे अंडरवियर में वीर्य निकाल दिया.

शांत होने के बाद मुझे नींद आ गई. सुबह आंख खुली और मैं फट से तैयार होकर कपड़े पहन कर ऑफिस के लिए निकलने की तैयारी करने लगा.

घर पर ऑफिस के लिए बोल कर आया मगर भाभी के घर चला गया.

सुबह जब भाभी के घर पहुंचा तो उन्होंने दरवाजा खोला और देखते ही मेरा लंड सनक गया.

भाभी ने एक पारदर्शी नाइटी पहन रखी थी जिसमें अंदर गुलाबी रंग की ब्रा थी और लाल रंग की पैटी जो साफ-साफ नजर आ रही थी. मैं भाभी को लार टपकाते हुए देख रहा था.

भाभी बोली- यहीं पर खड़े रहोगे या अंदर भी आओगे ?

अंदर ले जाकर भाभी ने कहा- तुम बैठो, मैं तुम्हारे लिये चाय लेकर आती हूँ.

भाभी अपनी मोटी गांड को मटकाते हुए किचन की तरफ चली गई. उनकी गांड को देख कर मेरा लंड तन गया. मैंने पैट के ऊपर से ही लंड को सहलाना शुरू कर दिया.

बहुत रोकने की कोशिश की मगर भाभी की ब्रा और पैटी बहुत ही ज्यादा मस्त थी. मैं सिसकारियाँ लेते हुए लंड को सहलाने लगा. लंड फटने को हो रहा था. ऊपर से हम दोनों घर में अकेले थे. मुझसे रहा नहीं जा रहा था.

जब मुझसे कंट्रोल नहीं हुआ तो मैंने किचन में जाकर पीछे से भाभी को पकड़ लिया. पकड़ कर मैं भाभी के बूब्स दबाने लगा.

भाभी बोली- सब्र करो, आज मैं तुम्हारी ही हूँ.

मैं वापस आ गया और आकर सोफे पर बैठ गया. भाभी चाय लेकर आई और आकर मेरी गोद में बैठ गई. हम दोनों ने एक ही कप में चाय पी और उसके बाद मेरा लंड काबू से बाहर हो गया. मैंने भाभी के रसीले होंठों को चूसना शुरू कर दिया. मेरे दोनों हाथ भाभी के चूचों पर जाकर उनको दबाने लगे.

उसके बाद मैंने भाभी को सोफे पर बैठाया और खुद नीचे बैठ कर उसकी टांगों को ऊपर उठा दिया. मैंने शगुन भाभी की पैटी निकाल दी और उनकी चूत मेरे सामने नंगी हो गई. बाल रहित चिकनी चूत थी सेक्सी भाभी की.

भाभी बोली- मैंने तुम्हारे लिये ही आज इसको खास तौर पर तैयार किया है इसको.

मैंने भी देर किये बिना उनकी मस्त चूत को चाटना शुरू कर दिया. भाभी की चूत का स्वाद गजब का था.

मैंने जोर से भाभी की चूत को चाटना शुरू कर दिया. भाभी पागल होने लगी. मैं तेजी से भाभी की चूत में जीभ चला रहा था. मैंने भाभी की चूत को अपनी जीभ से चोदना शुरू कर



दिया. भाभी ने मेरे सिर को पकड़ा और अपनी टांगों के बीच में दबा लिया. भाभी पागल सी हो गई थी. दस मिनट के बाद भाभी ने अपनी चूत का पानी छोड़ दिया जिसे मैं सारा पी गया.

फिर मैंने शगुन भाभी को नंगी कर दिया और खुद भी नंगा हो गया. मेरा खड़ा हुआ लौड़ा देख कर भाभी खुश हो गई.

बोली- वाह, सामान तो मस्त है तुम्हारा! बहुत मजा आयेगा इसके साथ तो आज.

अगले ही क्षण भाभी नीचे बैठ कर मेरे लंड को मुंह में लेकर चूसने लगी. उसके मुंह में लंड जाते ही मेरे मुंह से आवाजें निकलने लगीं. वो लॉलीपोप की तरह मेरे लंड को चूसने-चाटने लगी.

मैं ज्यादा देर कंट्रोल नहीं कर पाया और मैंने लंड को बाहर निकाल कर भाभी के बूब्स पर अपना सारा माल छोड़ दिया. उसके बाद हम दोनों सोफे पर बैठ गए. कुछ देर के बाद फिर से किसिंग शुरू हो गई.

पांच मिनट के बाद मेरे लंड में फिर से तनाव आना शुरू हो गया. कुछ देर के बाद मेरा लंड तन गया. मैंने शगुन भाभी को सोफे के किनारे पर बैठा दिया. उसकी एक टांग को ऊपर उठा दिया और दोनों हाथों से पकड़ कर लंड को उसकी चूत पर सेट कर दिया.

मैंने लंड को अंदर धकेला तो भाभी बोली- आराम से, दर्द मत करो.

मैंने दूसरा झटका मारा तो भाभी बोली- वापस निकाल लो. दर्द हो रहा है.

मगर मैंने भाभी की बात नहीं मानी और लंड को घुसाए रखा. दो मिनट के बाद भाभी खुद ही मुझे चुदाई के लिए कहने लगी.

जब मैंने चुदाई शुरू की तो भाभी को मजा आने लगा. वह नीचे से अपनी चूत को उठाने लगी. दस मिनट की चुदाई के बाद भाभी फिर से झड़ गई. भाभी ने मुझे अपनी बांहों में जकड़ लिया और मैं तेजी के साथ भाभी की चूत को चोदने लगा.

कुछ धक्कों के बाद मैंने पूछा- कहाँ निकालूँ ?

भाभी बोली- अंदर ही निकाल दो.

मैंने दो-तीन जोर के धक्के मारे और सारा माल भाभी की चूत में गिरा दिया. हम दोनों थक कर सोफे पर गिर गये.

मगर अभी मेरा मन नहीं भरा था. मैंने दोबारा से भाभी को गर्म कर दिया. मैंने भाभी को अबकी बार नई पोजीशन में चोदने का प्लान किया. पहले मैंने भाभी के चूचों को खूब जोर से चूसा और काटा. जब भाभी पूरी तरह से गर्म हो गई तो वह खुद ही मेरा लंड लेने के लिए मचलने लगी.

मैंने कहा- आपको मेरी एक इच्छा पूरी करनी पड़ेगी.

वह बोली- जल्दी बताओ, क्या करना है. मुझे जल्दी से चोदो अब.

मैंने कहा- मैं आपको घोड़ी बनाकर चोदना चाहता हूँ.

मेरी बात सुनकर शगुन भाभी सोफे पर हाथ टिका कर मेरे सामने झुक गई और उसकी चूत मेरे सामने आ गई. उसने अपनी चूत को थोड़ा सा ऊपर उठा दिया और मैंने लंड को अंदर डालने के लिए तैयार कर दिया.

मैंने उसकी गांड पर चमाट मारा और फिर से उसकी चूत में घोड़ी वाली पोजीशन में लंड डाला और जमकर चुदाई की.

उसके बाद जब तक विशाल भैया वापस नहीं आये भाभी मेरे लंड से मजे लेती रही. मुझे भी भाभी की चूत मारने में मजा आ रहा था.

विशाल भैया के आने के बाद अब हमें ज्यादा मौका तो नहीं मिल पाता मगर जब भी विशाल भैया कहीं बाहर जाते हैं शगुन भाभी मुझे चुदाई के लिए बुला लेती है.

विशाल के रहने पर वह उसका लंड लेती है और जाने के बाद मेरा. बहुत ही सेक्सी भाभी है शगुन, जिसकी चूत का मैं भी दीवाना हो गया हूँ. मुझे जॉब के साथ-साथ शगुन भाभी की

चूत भी मिल गई.

वैसे मैं विशाल भाई की इज्जत करता था मगर जब भाभी खुद ही मेरा लंड लेने के लिए तैयार रहती थी तो मुझे भी इसमें कोई बुराई नहीं लगी. वैसे भी जब मर्द की कमी महसूस होती है औरत को अपनी प्यास बुझाने के लिए कोई न कोई तरीका तो खोजना ही पड़ता है.

भाभी ने मेरी जॉब लगवाने के बदले में मेरा लंड मांग लिया था जिसको देने में मुझे भी कोई परेशानी नहीं थी और मजा भी आ रहा था.

आपको मेरी यह कहानी कैसी लगी प्लीज मुझे मेल पर बताना. मुझे आपके मैसेज का इंतजार रहेगा.

loveroy740@gmail.com

## Other stories you may be interested in

### सुबह सवेरे बीवी की मदमस्त चुदाई

अन्तर्वासना पर कहानी पढ़ने वाले सभी मित्रों और भाभियों को कुमार का नमस्कार. जिन्होंने मेरी पहले की कहानी प्यारी बीवी की गांड चोदकर वीर्य भर दिया पढ़ी है, उन सबको मेरे बारे में पता होगा. लेकिन जिन लोगों को मालूम [...]

[Full Story >>>](#)

### दोस्त की बीवी ने मुझसे मस्ती में चुदवाया

मेरी पिछली कहानी दोस्त ने अपनी बीवी को चुदवाया में आपने पढ़ा कि कैसे मेरे मित्र अजय ने मुझसे इच्छा जाहिर की थी वो अपनी बीवी को मुझसे चुदते हुए देखना चाहता है. उस रात मैंने अजय और उसकी बीवी [...]

[Full Story >>>](#)

### चाची ने रबड़ी लगाकर चूत चाटना सिखाया

सभी आंटियों, भाभियों और जवान कड़क लौंडियों को मेरे खड़े लंड की तरफ से नमस्ते. मैं राहुल अपनी और अपनी चाची की चुदाई लेकर फिर से हाज़िर हूँ. मेरी पिछली कहानी चाची ने चूत चुदाई करवा के मर्द बनाया में [...]

[Full Story >>>](#)

### मेरी दीदी की नौकरों से चुदाई देखी

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम अंकित है। यह कहानी मेरी मामा की लड़की है, वो मेरी ममेरी दीदी है। उनकी चुदाई मैंने अपनी आँखों से देखी थी। उस वक्त मेरी उम्र 20 साल थी और राशिका दीदी की उम्र 24 साल [...]

[Full Story >>>](#)

### तीन चूत एक लंड : फोरसम का मजा

आजकल मैं कहानियाँ कम लिख रहा हूँ। मेरी आखरी कहानी करीब डेढ़ साल पहले लिखी गयी है। कहानी पब्लिश होने में भी वक्त लगता है जिसके चलते मेल अकाउंट ऑपरेट करना कम हो जाता है। बहुत सी बार पाठकों के [...]

[Full Story >>>](#)

